④ तकनीकी ज्ञान का स्तर — समय के साथ तकनीकी ज्ञान में भी परिवर्तन होता है जिससे उत्पादन तथा प्रक्रियाओं से उत्पादन की विधियों में सुधार होता है तथा वस्तु की पूर्ति बढ़ती है।

⑤ उत्पादन के साधनों की कीमतें — एक वस्तु की पूर्ति उत्पादन के साधन की कीमत पर निर्भर करती है। यदि एक वस्तु के उत्पादन में प्रयुक्त साधनों की कीमतें बढ़ जाती हैं तो वस्तु की कुल उत्पादन लागत भी बढ़ जाती है। ऐसी हालत में उत्पादक अपने साधनों को इस वस्तु के उत्पादन से निकालकर ऐसी वस्तु के उत्पादन में लगायेंगे जिसको कि कम लागत पर उत्पादित किया जा सकता है। जिससे इस वस्तु की पूर्ति कम हो जायगी।

इन कारकों के अलावा भी कुछ अन्य कारक हैं जो वस्तु की पूर्ति को प्रभावित करते हैं। ये कारक निम्नलिखित हैं

① प्राकृतिक कारक — कृषि पदार्थों की पूर्ति बहुत हद तक प्राकृतिक दशाओं पर निर्भर करती है। पर्याप्त मात्रा में वर्षा, भूमि की उर्वराशक्ति सिंचाई की सुविधाएं आदि कृषि उपज को बढ़ाने में सहायक होते हैं।

② यातायात तथा संचार के साधन — यातायात तथा संचार के साधन वस्तुओं की पूर्ति को नियमित और पर्याप्त बनाये रखने में सहायक होते हैं। यदि वस्तु की पूर्ति एक क्षेत्र में कम है तो यातायात की साधनों की सहायता से आधिक्य पूर्ति वाले क्षेत्रों से वस्तु को न्यूनता वाले क्षेत्रों में लाया जा सकता है।

③ कर नीति — यदि वस्तु के उत्पादन पर भारी मात्रा में कर लगाये जाते हैं तो वस्तु का उत्पादन हतोत्साहित होगा और वस्तु की पूर्ति में कमी आ जायेगी। यदि उत्पादकों को करों में विशेष प्रकार की छूट दी जाती है तो इससे वस्तु की पूर्ति को बढ़ाने में सहायता मिल सकेगी।

④ भविष्य में कीमत में वृद्धि की आशा — यदि उत्पादक भविष्य में वस्तु की कीमतों में वृद्धि की आशा करते हैं तो वे वर्तमान समय में वस्तु की पूर्ति कम कर देंगे ताकि भविष्य में ऊंची कीमतों पर वस्तु की पूर्ति को बढ़ाया जा सके।

⑤ उत्पादकों में समझौता — कई बार उत्पादक अधिकतम लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से वस्तु की बिक्री के लिए अपना एक संगठन बना लेते हैं जब उत्पादक अपना एक संगठन बना लेते हैं तो वे वस्तु के लिए ऊंची कीमत प्राप्त करने के लिए कृत्रिम न्यूनता भी उत्पन्न कर सकते हैं पूर्ति को प्रभावित करने वाले कारकों को एक फलन की सहायता से निम्न प्रकार दिखाया जा सकता है $S_n = f(P_n, P_r, T, F, G)$
यहां S_n वस्तु N की पूर्ति है P_n वस्तु N की कीमत P_r सम्बन्धित वस्तुओं की कीमत F उत्पादन के साधनों की लागत, T उत्पादन की तकनीक तथा G उत्पादक के उद्देश्य को प्रकट करते हैं

Scanned with CamScanner

Supply schedule – किसी बाजार में एक निश्चित समय में विभिन्न कीमतों पर किसी वस्तु की विभिन्न मात्राएं बेची जाती हैं इन सब को एक तालिका के द्वारा दिखलाया जाता है तो उसे पूर्ति अनुसूची कहते हैं। पूर्ति अनुसूची दो प्रकार की होती है।

(i) व्यक्तिगत पूर्ति अनुसूची (ii) बाजार पूर्ति अनुसूची।

(i) **व्यक्तिगत पूर्ति सूची** – किसी निश्चित समय में एक विक्रेता किसी वस्तु की विभिन्न कीमतों पर उसकी विभिन्न मात्राएं बेचता है किसी यदि उन्हें एक सूची या तालिका में क्रमबद्ध दिखाया जाय तो उसे व्यक्तिगत पूर्ति अनुसूचि कहते हैं। एक तालिका से यह स्पष्ट है

प्रति इकाई कीमत	बेची जाने वाली वस्तु की इकाई
2 रु०	20
3 "	40
4 "	50
5 "	60

इस तालिका से स्पष्ट है कि जब कीमत 2रु० है तो फर्म 20 इकाई की आपूर्ति करती है और जैसे जैसे वस्तु की कीमत में वृद्धि होती वैसे वैसे इसकी पूर्ति में भी वृद्धि होती है। इसे चित्र द्वारा भी दर्शाया जा सकता है।

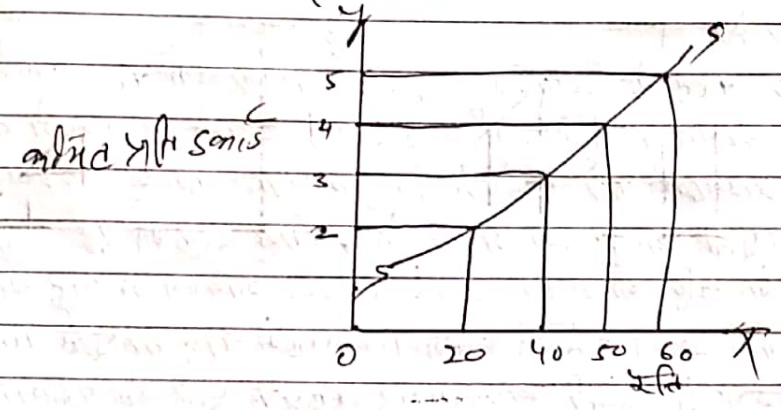

(2) **बाजार पूर्ति तालिका** – एक बाजार में बहुत फर्म होती हैं जो विभिन्न कीमतों पर वस्तु की इकाईयों को बेचने के लिए तत्पर रहते हैं। यदि इन सब फर्मों की पूर्ति को जोड़ दिया जाय तो एक बाजार पूर्ति तालिका बन जाती है। एक सारणी के द्वारा इसे अच्छे से बताया जा सकता है।

प्रति इकाई कीमत	फर्म A की पूर्ति	फर्म B की पूर्ति	बाजार तालिका
2	20	10	30
3	40	30	70
4	50	40	90
5	60	50	110

Scanned with CamScanner

इस तालिका को एक चित्र के द्वारा और स्पष्ट कर सकते हैं

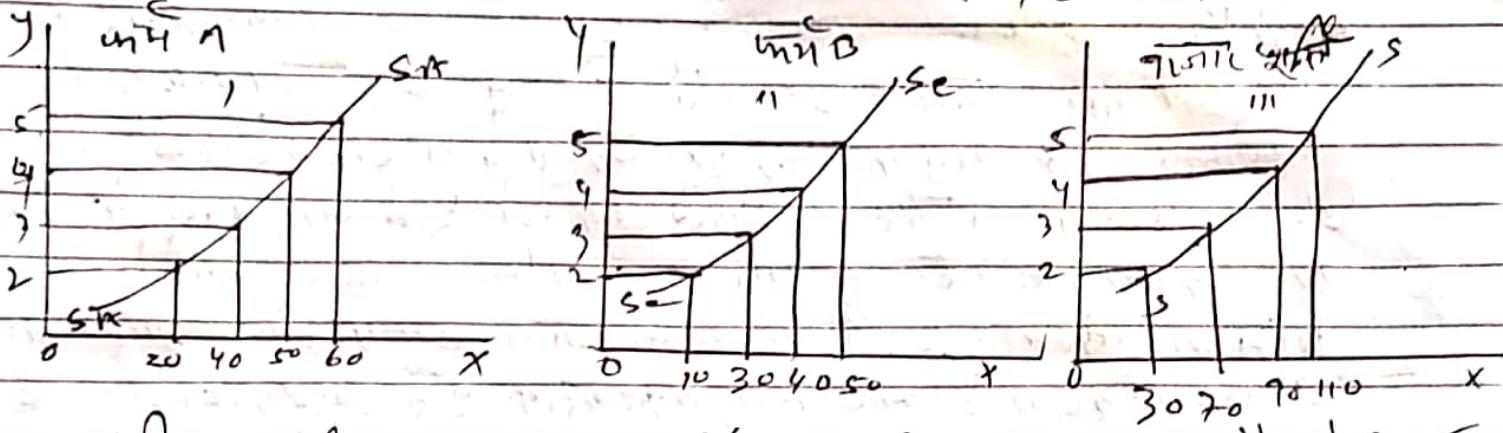

पूर्ति वक्र की मान्यताएं — पूर्ति वक्र की कुछ मान्यताएं हैं जो निम्न प्रकार हैं।

(i) पूर्ति रेखा में दी गई कीमतें काल्पनिक हैं। इसके अतिरिक्त पूर्ति रेखा को स्थिर मान लिया गया है।

(ii) क्रेताओं और विक्रेताओं की आय स्थिर रहती हैं।

(iii) उत्पत्ति के साधनों की कीमत स्थिर रहती है

(iv) तकनीकी ज्ञान में कोई परिवर्तन नहीं होता है

(v) वस्तु की इकाइयां विभाजनशील हैं

(vi) क्रेताओं और विक्रेताओं की रुचि अपरिवर्तनीय हैं